दोआबा रिपोर्टर TV
दोआबा रिपोर्टर समाचारपत्र तथा बेव टीवी के लिए पंजाब के सभी जिलों, कस्बों से पत्रकारों/फोटोग्राफरों/विशेष प्रतिनिधियों और ब्यूरो चीफ व मार्केटिंग के लिए लड़के/लड़कियों की आवश्यकता है।
(चाहवान सम्पर्क करें)
(मो.) 7009010789

1
दोआबा रिपोर्टर
भारत सरकार द्वारा पंजीकृत | मुख्य सम्पादक : संजीव शर्मा | RNI No. PUNHIN/2004/13985
News Portal-www.doabareporter.com | doabareporter.com | वीरवार, 23 सितंबर 2021 | 7009010789 - 94175-85949

जोरदार स्वागत पर PM बोले- प्रवासी भारतीय हमारी ताकत

वॉशिंगटन में गूंजा मोदी-मोदी

अमेरिका में भारत के राजदूत तरणजीत सिंह संधू ने भी उनका स्वागत किया

वाशिंगटन- तीन दिवसीय यात्रा के लिए अमेरिका पहुंचे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का बुधवार का वाशिंगटन डीसी में हवाई अड्डे के बाहर भारतीय समुदाय के लोगों ने गर्मजोशी से स्वागत किया। पीएम का स्वागत करने के लिए भारतीय समुदाय के सौ से अधिक सदस्य ज्वाइंट बेस एंड्रयूज पर इकट्ठा हुए. पीएम मोदी का स्वागत कर रहे भारतीय अमेरिकी इस दौरान मोदी-मोदी के नारे भी लगाए। COVID-19 के बाद से प्रधानमंत्री मोदी की यह पहली विदेश यात्रा है। उनके वाशिंगटन पहुंचने पर अमेरिकी प्रशासन में डिप्टी सेक्रेटरी टी. एच. ब्रायन मैककेन सहित अन्य अधिकारियों ने उनका स्वागत किया।

ब्रिगेडियर अनूप सिंघल, वायुसेना अधिकारी अंजन भद्रा और नौसेना अधिकारी निर्भया बापना के साथ अमेरिका में भारत के राजदूत तरणजीत सिंह संधू ने भी उनका स्वागत किया। पीएम मोदी ने हवाई अड्डे के बाहर उनका इंतजार कर रहे लोगों से मुलाकात की। पीएम ने भारतीय समुदाय से मिलते हुए हाथ मिलाए। वाशिंगटन में भारतीयों से मुलाकात के बाद पीएम नरेंद्र मोदी ने ट्वीट किया, 'वाशिंगटन डीसी में भारतीय समुदाय द्वारा गर्मजोशी से किए गए स्वागत के लिए आभारी हूं, हमारा प्रवासी हमारी ताकत है। भारतीय प्रवासियों ने दुनिया भर में खुद को जिस तरह प्रतिष्ठित किया है, वह सराहनीय है। जानकारी के अनुसार एक भारतीय अमेरिकी ने कहा, 'हम प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को देखने के लिए बहुत उत्साहित हैं. हमें बारिश में खड़े होने में कोई दिक्कत नहीं है। हम प्रधानमंत्री मोदी से मिलने के लिए उत्साहित हैं।'

अफगान और कोविड संकट के मद्देनजर अहम है पीएम की यात्रा- भारतीय अमेरिकी-भारतीय समुदाय के एक अन्य सदस्य ने कहा कि पीएम मोदी की यात्रा भारत और अमेरिका के संबंधों को और मजबूत करने में 'बहुत महत्वपूर्ण' होगी. उन्होंने कहा- 'COVID-19 और अफगान संकट को देखते हुए, भारत और अमेरिका के संबंधों को और अधिक मजबूत बनाने में यह यात्रा बहुत महत्वपूर्ण है. हमें गर्व है, हम भारतीय हैं और वह लाखों भारतीयों का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं। मोदी बुधवार को राजधानी दिल्ली से एयर फोर्स 1 बोईंग 777 337 ईआर विमान से अमेरिका के लिए रवाना हुए. वह शुक्रवार को अमेरिका में राष्ट्रपति जो बाइडन से आमने सामने मुलाकात करेंगे। प्रधानमंत्री कार्यालय ने उनकी रवानगी से पहले की तस्वीर जारी की थी।

मुफ्त राशन लेने वालों ने सरकार को बेचा 200 करोड़ का अनाज

66 हजार राशनकार्ड धारकों ने सरकारी क्रय केंद्रों पर बेचा तीन-तीन लाख से ज्यादा का धान व गेहूं, जांच शुरू

मुफ्त का राशन लेने वाले 66 हजार राशनकार्ड धारकों ने सरकार को ही दो सौ करोड़ रुपये से ज्यादा का अनाज बेचा है। इनमें प्रत्येक राशनकार्ड धारक ने कम से कम तीन लाख रुपये से ज्यादा का गेहूं व धान सरकारी क्रय केंद्रों पर जाकर बेचा है। यह मामला सामने आने से महकमे में खलबली मची गई है। इसकी गहन जांच के निर्देश दिए गए हैं। प्रदेश में 40 लाख 79 हजार अंत्योदय और तीन करोड़ 19 लाख पात्र गृहस्थी के यानी कुल तीन करोड़ 60 लाख राशनकार्ड धारक हैं। इनमें कुल 14 करोड़ 87 लाख यूनिट दर्ज हैं जिन्हें प्रतिमाह प्रधानमंत्री गरीब अन्न कल्याण योजना में मुफ्त का राशन वितरण किया जा रहा है। जांच में यह सामने आया कि 66 हजार राशनकार्ड धारक ऐसे हैं जिन्होंने अपने पास कृषि भूमि दर्शाते हुए रबी और खरीफ में तीन लाख रुपये से ज्यादा का गेहूं व धान क्रय केंद्रों पर बेचा है। नियमानुसार जिस परिवार की आय शहरी क्षेत्र में तीन लाख और ग्रामीण क्षेत्र में दो लाख रुपये से ज्यादा है उसका राशनकार्ड नहीं बन सकता है। ऐसे में ग्रामीण क्षेत्र में निर्धारित आय से एक लाख से ज्यादा का अनाज वाले मुफ्त अनाज के लिए अपात्र हैं।

आधार कार्डों से पकड़ी गई गड़बड़ी -यह पूरी गड़बड़ी आधार कार्डों के जरिये पकड़ में आई है। विभाग ने सॉफ्टवेयर से सभी राशनकार्डों पर दर्ज आधार नंबर से उन किसानों का मिलान किया, जिन्होंने सरकारी क्रय केंद्रों पर धान व गेहूं बेचे हैं। जांच में ऐसे 66 हजार आधार नंबर मिले जिनके राशनकार्ड बने हैं और उन्होंने तीन लाख रुपये से ज्यादा का अनाज बेचा है। ऐसे भी मामले सामने आए हैं जिनमें आठ से दस लाख रुपये तक का अनाज बेचा गया है।

दोआबा रिपोर्टर TV
दोआबा रिपोर्टर समाचारपत्र तथा बेव टीवी के लिए पंजाब के सभी जिलों, कस्बों से पत्रकारों/फोटोग्राफरों/विशेष प्रतिनिधियों और ब्यूरो चीफ व मार्केटिंग के लिए लड़के/लड़कियों की आवश्यकता है।
(चाहवान सम्पर्क करें)
(मो.) 7009010789

दोआबा रिपोर्टर 2
भारत सरकार द्वारा पंजीकृत | मुख्य सम्पादक : संजीव शर्मा | RNI No. PUNHIN/2004/13985
News Portal-www.doabareporter.com | doabareporter.com | वीरवार, 23 सितंबर 2021 | 7009010789 - 94175-85949

बता दें कि लंबे समय से मांग की जा रही थी कि कोरोना वायरस के शिकार लोगों के परिजनों को मुआवजा दिया जाए

कोरोना वायरस से मौत पर मिलेगा 50 हजार का मुआवजा

नई दिल्ली– केंद्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में कहा है कि कोविड–19 से हुई मौतों पर 50 हजार रुपये मुआवजा दिया जाएगा। केंद्र सरकार ने शीर्ष अदालत को बताया कि राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण ने कोरोना से जान गंवाने वालों के परिजनों को 50 हजार के मुआवजे की शिफारिश की है। केंद्र सरकार ने शीर्ष अदालत को यह भी बताया कि राहत कार्यों में शामिल लोगों के परिजनों को भी यह अनुग्रह राशि दी जाएगी। हालांकि, सरकार ने यह भी कहा कि यह राशि राज्य सरकार की ओर से दी जाएगी। केंद्र सरकार ने अदालत को यह भी बताया कि मुआवजे का भुगतान न केवल पहले हुई मौतों के लिए बल्कि भविष्य के लिए भी किया जाएगा। बता दें कि कोरोना वायरस का शिकार हुए लोगों के परिजनों को मुआवजा देने की मांग लंबे समय से हो रही थी। आखिरकार सरकार इसके लिए तैयार हो गई है। पिछली सुनवाई में केंद्र सरकार ने कोरोना के शिकार लोगों के परिजनों को मुआवजा देने से इनकार कर दिया था, जिसे कोर्ट ने भी स्वीकार कर लिया था। मगर कोर्ट ने केंद्र सरकार से पूछा था कि आपदा प्रबंधन कानून के तहत मुआवजा तय करने के बारे में क्या किया गया है, कोर्ट को बताएं। इस पर एसजी तुषार मेहता ने कोर्ट से कहा कि अगली तारीख 23 सितंबर को कोर्ट के समक्ष यह ब्योरा रख दिया जाएगा। वहीं, सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को केंद्र सरकार से कहा था कि वह यह देखे कि ऐसे मामलों में जहां कोरोना से परेशान होकर किसी ने आत्महत्या की हो तो उसे कोविड–19 से हुई मौत माना जाए। इस संबंध में राज्यों को नए दिशा–निर्देश दिए जाएं। कोर्ट ने कहा कि कोरोना के कारण आत्महत्या करने वाले की मौत को कोविड से हुई मौत नहीं मानना स्वीकार्य नहीं है। उन्हें भी कोविड से हुई मौत का प्रमाणपत्र मिलना चाहिए।

चार–चार लाख रुपये अनुग्रह राशि देने से किया था इनकार– बता दें कि इसी साल जून में देश में कोरोना संक्रमण से जान गंवाने वाले लोगों के परिवार को चार–चार लाख रुपये अनुग्रह राशि दिए जाने का अनुरोध करने वाली याचिका पर केंद्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में जवाब दाखिल किया था कि ऐसा संभव नहीं है। केंद्र ने कहा था कि कोविड–19 के पीड़ितों को चार–चार लाख रुपये का मुआवजा नहीं दिया जा सकता है क्योंकि आपदा प्रबंधन कानून में केवल भूकंप, बाढ़ आदि प्राकृतिक आपदाओं पर ही मुआवजे का प्रावधान है। सरकार ने कहा कि अगर एक बीमारी से होने वाली मौत पर मुआवजे की राशि दी जाए और दूसरी पर नहीं तो यह पूरी तरह से गलत होगा।

अब अयोध्या में साधु मणिराम दास की संदिग्ध मौत

मंदिर की तीसरी मंजिल से गिरे नीचे, तीसरी मंजिल से नीचे गिरने के कारण उनकी हुई मौत

अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष महंत नरेंद्र गिरि की मौत को अधिक दिन भी नहीं बीते थे कि अब अयोध्या में एक साधु की संदिग्ध परिस्थितियों में छत से नीचे गिरने के कारण मौत हो गई है। मृतक साधु की पहचान मणिराम दास के रूप में की गई है। वह श्री राम मंत्रार्थ मंडपम मंदिर की तीसरी मंजिल से नीचे गिर गए थे। पुलिस उनकी मौत के कारणों की जांच कर रही है। रिपोर्ट के मुताबिक, तीसरी मंजिल से नीचे गिरने के कारण उनकी मौत हुई है। पुलिस ने उनके शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। उन्होंने आत्महत्या की है या उनकी हत्या हुई है पुलिस दोनों पहलू से मामले की जाँच कर रही है। बताया जा रहा है कि मरने से पहले बीते कुछ दिन से मणिराम ने लोगों से बातचीत कम कर दी थी। वह अकेले रहा करते थे और बहुत ही कम बाहर निकला करते थे। उन्हें किसी बात की परेशानी थी या नहीं

उन्होंने किसी से भी इसका जिक्र तक नहीं किया था।

कुछ समय से तनाव में थे मणिराम– शुरुआती जांच में सामने आया है कि मृतक साधु मणिराम बीते कुछ समय से तनाव में जी रहे थे। हालाँकि, ऐसा किन कारणों से था यह स्पष्ट नहीं हो सका है। पुलिस प्रशासन मृतक साधु के फोन नंबरों की डिटेल्स को खंगालने में जुट गया है। इसके साथ ही मंदिर प्रशासन समेत दूसरे साधुओं से पूछताछ की जा रही है। गौरतलब है कि इससे पहले उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष महंत नरेंद्र गिरि की संदिग्ध हालात में मौत हो गई थी। महंत का शव बाघमबरी मठ में सोमवार (20 सितंबर 2021) को फाँसी के फंदे से लटकता मिला। इसके बाद उनके शिष्य आनंद गिरि ने उनकी हत्या का भी दावा किया। इस मामले में मंगलवार (21 सितंबर 2021) महंत नरेंद्र गिरि की संदिग्ध मौत के मामले में सीएम योगी आदित्यनाथ ने जांच के लिए एसआईटी (स्क्रुज़) का गठन करने का आदेश दिया। प्रयागराज के डीआईजी सर्वश्रेष्ठ त्रिपाठी ने विशेष जांच दल (एसआईटी) का गठन कर टीम का नेतृत्व डेप्यूटी एसपी अजीत सिंह चौहान को सौंपा दी थी।

दोआबा TV रिपोर्टर
दोआबा रिपोर्टर समाचारपत्र तथा बेव टीवी के लिए पंजाब के सभी जिलों, कस्बों से पत्रकारों/फोटोग्राफरों/विशेष प्रतिनिधियों और ब्यूरो चीफ व मार्केटिंग के लिए लड़के/लड़कियों की आवश्यकता है।
(चाहवान सम्पर्क करें)
(मो.) 7009010789

3
दोआबा रिपोर्टर
भारत सरकार द्वारा पंजीकृत | मुख्य सम्पादक : संजीव शर्मा | RNI NoÐ PUNHIN/2004/13985
News Portal-www.doabareporter.com | doabareporter.com | वीरवार, 23 सितंबर 2021 | 7009010789 - 94175-85949

राजा मिहिर भोज नौंवी सदी के एक महान धर्मरक्षक थे, जिन्होंने विदेशी आक्रांताओं के छक्के छुड़ा दिए थे

'जो कौम अपने इतिहास व परंपराओं को भूला देती है, वह अपने भूगोल की भी रक्षा नहीं कर पाती' : दादरी में CM योगी

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को गौतमबुद्ध नगर में सम्राट मिहिर भोज की प्रतिमा का अनावरण किया। इस बीच ग्रेटर नोएडा में सम्राट मिहिर भोज के वंशज होने का दावा करने वाले राजपूत और गुर्जरों के बीच गतिरोध लगातार जारी रहा। इस दौरान सीएम योगी ने दादरी विधानसभा की 12 करोड़ की योजनाओं का लोकार्पण किया। यहाँ उन्होंने लोगों को संबोधित करते हुए कहा, राजा मिहिर भोज नौंवी सदी के एक महान धर्मरक्षक थे, जिन्होंने विदेशी आक्रांताओं के छक्के छुड़ा दिए थे। मैं उनको नमन करता हूँ, जो कौम अपने इतिहास व परंपराओं को विस्मृत कर देती है, वह अपने भूगोल की भी रक्षा नहीं कर पाती। उन्होंने कहा, महापुरुषों को कभी जातीय सीमाओं में कैद नहीं करना चाहिए। उनका महान बलिदान किसी व्यक्ति या परिवार के

लिए नहीं, बल्कि पूरे देश के लिए होता है। मां पन्ना धाय ने अपने पुत्र का बलिदान देकर महाराणा को सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया था। उनके इस महान त्याग पर सिर्फ गुर्जर समाज को नहीं, अपितु संपूर्ण भारत को गौरव की अनुभूति करनी चाहिए। मुख्यमंत्री ने आगे कहा, तालिबानियों जैसे मजहबी अराजक तत्व पूरी मानव-जाति के लिए खतरा हैं। यदि 'राष्ट्रधर्म' पर आंच आई तो कोई व्यक्ति, जाति या मजहब सुरक्षित नहीं रहेगा। यदि किसी को लगता है कि देश की सुरक्षा खतरे में आ जाए तब भी वह सुरक्षित रह लेगा, तो यह उसकी गलतफहमी होगी। इतिहास में हुई लीपापोती को अब मिटाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि राजा माहिर भोज का इतिहास पढ़ने पर पता चलता है कि उनके शासन के बाद डेढ़ सौ वर्षों तक कोई भी आक्रांता यहाँ आँख उठाने की हिम्मत नहीं कर सका। ये सुरक्षा का भाव राजा मिहिर भोज ने दिया था। वो एक शिवभक्त थे। आप इतिहास को पढ़िए, पानीपत के युद्ध के बारे में पढ़िए। उस समय भारतीय सेना संगठित न होने के कारण विदेशी आक्रांता सेंध लगा जाते थे। सीएम योगी ने कहा, 4 साल पहले का समय पश्चिम उत्तर प्रदेश के लोग नहीं भूल सकते। यहाँ कांवड़ यात्रा नहीं निकालने दी जाती थी। दुर्गा पूजा उत्सव नहीं मनाने दिया जाता था। आप 5 अगस्त 2020 की तारीख याद करिए कैसे भगवान राम के भव्य मंदिर निर्माण का कार्य शुरू हो चुका है, जो भव्यता के साथ आगे बढ़ रहा है। हर भारतीय गर्वित महसूस करता है।

कन्या राशि वालों को व्यापार में अचानक मिलेगा धन लाभ

आज आश्विन कृष्ण पक्ष की उदया तिथि द्वितीया और गुरुवार का दिन है। द्वितीया तिथि आज सुबह 6 बजकर 53 मिनट पर समाप्त हो चुकी है। फिलहाल तृतीया तिथि चल रही है, जो कल सुबह 8 बजकर 29 मिनट तक रहेगी। हम बीते 20 सितम्बर से ही रोज चर्चा कर रहे है कि- श्राद्ध पक्ष चल रहे है, जो 6 अक्टूबर को समाप्त होंगे। चूंकि श्राद्ध कार्य दोपहर के समय किये जाते हैं और आज दोपहर के समय तृतीया तिथि रहेगी। लिहाजा आज तृतीया तिथि वालों का श्राद्ध है, यानी जिनका स्वर्गवास किसी भी महीने के कृष्ण या शुक्ल पक्ष की तृतीया को हुआ हो, उनका श्राद्ध आज किया जायेगा।

मेष-आपको बिजनेस के सिलसिले में किसी से बेहतर सलाह मिलेगी, जिससे आपको फायदा होगा। आपको संतान पक्ष से सुख कीअनुभूति होगी। आपको ऑफिस में कोई महत्वपूर्ण काम मिलेगा। विद्यार्थियों के लिए दिन बेहतर रहेगा। आपकी आर्थिक स्थिति में मजबूती आयेगी।

वृष-परिवार वालों का पूर्ण स्नेह और सहयोग प्राप्त होगा। आपके कुछ मित्र मददगार साबित होंगे। व्यापार में अचानक धन लाभ होने से आपकी आर्थिक स्थिति बेहतर होगी। माता के स्वास्थ्य में सुधार आयेगा। दाम्पत्य संबंध मधुरता से भरपूर रहेगा। लवमेटस के लिए दिन बेहतर रहने वाला है।

मिथुन-परिवार में कोई धार्मिक अनुष्ठान करने का मन बनायेंगे। कुछ लोगों के गलत बयान से आपका मूड थोड़ा खराब होगा,लेकिन जल्द ही सब ठीक हो जायेगा। इस राशि की महिलाओं को शाम को बाहर निकलते समय अपने पर्स का खास ध्यान रखना चाहिए।

कर्क-आपका दिन बेहतरीन रहने वाला है। आपको गुस्से में किसी से बात करने से बचना चाहिए। आप दूसरों पर अपना प्रभाव बनाने की कोशिश करेंगे। आपको अपने आस आसपास के कुछ लोग आपका विरोध करेंगे।

सिंह-व्यापार को बढ़ाने के लिए कुछ नये प्लान बनायेंगे। कार्यों में मित्रों की सलाह फायदेमंद साबित होगा। संतान पक्ष से कोई शुभ समाचार मिलेगा। काफी दोनों से चल रही किसी समस्या का समाधान मिल जाएगा।

कन्या-व्यापार में अचानक धन लाभ का अवसर प्राप्त होगा। ऑफिस के कुछ सहकर्मी आपके काम में सहायता करेंगे। किसी ऐसे व्यक्ति से मुलाकात होगी, जो आने वाले दिनों में आपकी मदद करेगा। बिजनेस में आप जो भी काम हाथ में लेंगे, उसे पूरा करने में सफलता मिलेगी।

तुला-ऑफिस में एक्स्ट्रा समय देने से रूका हुआ काम पूरा हो जायेगा। किसी तरह के विवाद में पड़ने से बचना चाहिए।

वृश्चिक-आपका आर्थिक पक्ष मजबूत रहेगा। किसी दोस्त के साथ पार्टी करने का मन बनायेंगे। ऑफिस में आपके काम को लेकर बॉस आपकी तारीफ करेंगे। इस राशि के स्टूडेंट्स के लिए दिन अच्छा रहेगा।

धनु-आपका ध्यान धार्मिक कार्यों में लगा रहेगा। आपको अचानक खुशखबरी मिलेगी। आप कुछ घरेलू सामान खरीदने का मन बनायेंगे माता-पिता अपने बच्चों की पढ़ाई में उनकी सहायता करेंगे। आप कोई नया काम करने की सोचेंगे।

मकर-आपको व्यापार में किसी बड़ी कंपनी से डील करने का ऑफर मिलेगा। इस राशि के संगीत से जुड़े लोगों को कोई बड़ा ऑफर मिलने का योग बन रहा है। आप अपने रिश्तों को मजबूत बनाने की कोशिश करेंगे।

कुंभ-आपकी नये कार्यों में रूचि बढ़ेगी। आपका आर्थिक पक्ष पहले की अपेक्षा मजबूत होगा। परिवार का माहौल खुशनुमा बना रहेगा। शाम के समय बच्चों के साथ घर पर कोई गेम खेलेंगे। आपको धन लाभ के बड़े अवसर मिलेंगे।

मीन-किसी शुभ समाचार की प्राप्ति हो सकती है। इस राशि के स्टूडेंट्स अपनी पढ़ाई-लिखाई में थोड़ा बदलाव करने की सोचेंगे। ऑफिस का माहौल थोड़ा अलग होने के कारण आपको कार्यों को पूरा करने में वक्त लगेगा। आपको अपने खान-पान में थोड़ी सावधानी रखने की जरूरत है। इस राशि के छोटे बच्चों को पिता से कोई अच्छा-सा गिफ्ट मिलेगा।

दोआबा रिपोर्टर TV
दोआबा रिपोर्टर समाचारपत्र तथा वेब टीवी के लिए पंजाब के सभी जिलों, कस्बों से पत्रकारों/फोटोग्राफरों/विशेष प्रतिनिधियों और ब्यूरो चीफ व मार्केटिंग के लिए लड़के/लड़कियों की आवश्यकता है।
(चाहवान सम्पर्क करें)
(मो.) 7009010789

4
दोआबा रिपोर्टर
भारत सरकार द्वारा पंजीकृत
मुख्य सम्पादक : संजीव शर्मा
RNI No. PUNHIN/2004/13985
News Portal-www.doabareporter.com
doabareporter.com
वीरवार, 23 सितंबर 2021
7009010789 - 94175-85949

, आज भी बच्चे पैदा करने की रफ्तार सबसे तेज, अमेरिकी थिंक टैंक ने भी किया कन्फर्म

60 साल में भारत में 5 गुना हुए मुस्लिम

देश की कुल आबादी में ईसाई, सिख, बौद्ध और जैन 6 फीसदी हैं। 1951 के बाद से ही इनकी जनसंया में स्थिरता है। बावजूद इसके धार्मिक संरचना में बदलाव की बड़ी वजह मुस्लिमों की प्रजनन दर है।

2015 की एक रिपोर्ट ने भारत में हिंदुओं की आबादी को लेकर बहस छेड़ दी थी। इसमें बताया गया था कि 1947 में जब देश स्वतंत्र हुआ तो कुल जनसंख्या का 85 फीसदी हिंदू थे जो 2011 की जनगणना में घटकर 78.35 फीसदी हो गई। देश में एक ऐसा जमात है जो इस तरह के तमाम तथ्य, मुस्लिमों की लगातार आबादी बढ़ने से खास इलाकों में परिस्थितियों में आए बदलाव और जनसंख्या नियंत्रण कानून की जरूरत पर होने वाली हर बहस को मुस्लिम विरोधी बताते हैं। यह वर्ग मुस्लिमों की आबादी में विस्फोट को नकारते हुए उन्हें प्रताड़ित दिखाने की कोशिश भी करता है। अब अमेरिकी थिंक टैंक प्यू रिसर्च सेंटर का एक अध्ययन सामने आया है। इसके आँकड़ों से पता चलता है कि आज भी भारत में सबसे ज्यादा बच्चे मुस्लिम ही पैदा कर रहे हैं। इससे यह भी स्पष्ट है कि 1951 से 2011 के बीच भारत की आबादी तिगुनी हुई। लेकिन इसी दौरान मुस्लिमों की आबादी 5 गुना (3 करोड़ 50 लाख से 17 करोड़ 20 लाख) हो गई। जनसंख्या में मुस्लिमों की हिस्सेदारी बढ़ने की वजह बच्चे पैदा करने की उनकी लालसा बताई गई है। उल्लेखनीय है कि स्वतंत्रता के बाद भारत में पहली जनगणना 1951 में हुई थी।

भारत की जनसंख्या विविधता भरी

इससे पहले इसी साल जून में प्यू ने भारत के विभिन्न धर्मों पर अपने अध्ययन को लेकर एक रिपोर्ट जारी की थी। इसमें कहा गया था कि भारत की जनसंख्या विविधता भरी है और धर्म में खासी आस्था रखती है। दुनिया के अधिकतर हिन्दू, जैन और सिख भारत में ही रहते हैं, लेकिन साथ ही ये दुनिया की सबसे ज्यादा मुस्लिम जनसंख्या वाले देशों में से भी एक है। यहाँ बौद्ध और ईसाईयों की जनसंख्या भी दसियों लाख में है। इस अध्ययन के मुताबिक 74त्न मुस्लिमों ने कहा था कि मुस्लिमों को अपने मजहब की शरिया अदालत में ही जाना चाहिए। 1937 से ही भारत में मुस्लिमों के लिए मजहबी मामलों को निपटाने के लिए एक अलग न्यायिक व्यवस्था है, जिसे 'दारुल-उल-क़ज़ा' कहते हैं। काजी के अंतर्गत काम करने वाले इन अदालतों का फैसला मानने के लिए कानूनी रूप से किसी को बाध्य नहीं किया जा सकता।

भारत की जनसंया का 79.8 फीसदी हिंदू

भारत की धार्मिक संरचना पर केंद्रित इस रिपोर्ट के अनुसार इसके भारत की जनसंख्या का 79.8 फीसदी हिंदू है जो 2001 की जनगणना के मुकाबले 0.7 प्रतिशत कम है। इसके उलट 2001 से 2011 के बीच मुस्लिमों की आबादी 13.4 प्रतिशत बढ़ी है। जैन मतावलंबियों में प्रजनन दर सबसे कम है। देश की कुल आबादी में ईसाई, सिख, बौद्ध और जैन 6 फीसदी हैं। 1951 के बाद से ही इनकी जनसंख्या में स्थिरता है। बावजूद इसके धार्मिक संरचना में बदलाव की बड़ी वजह मुस्लिमों की प्रजनन दर है। हालांकि मुस्लिम महिलाओं की प्रजनन दर भी 1992 से लेकर 2015 के बीच 4.4 बच्चे से कम होकर 2.6 बच्चे पर आ गई है। बावजूद इसके यह सबसे अधिक है। इस अध्ययन के अनुसार हिंदुओं की प्रजनन दर 2.1 तो जैनियों की सबसे कम 1.2 बच्चे प्रति महिला है।

प्यू रिसर्च सैंटर दुनिया का एक जाना माना थिंक टैंक

गौरतलब है कि प्यू रिसर्च सैंटर दुनिया का एक जाना माना थिंक टैंक है जो अक्सर दुनिया के अलग-अलग मसलों को लेकर अध्ययन करता रहता है। अफगानिस्तान में तालिबान का शासन आने से पहले प्यू ने 30 अप्रैल 2013 को एक सर्वे प्रकाशित किया था। इसमें 99त्न अफगानियों ने देश के आधिकारिक कानून के रूप में इस्लामी शरिया कानून का समर्थन किया था। 'ञ्जद्धद्ग World s Muslims: Religion, politics and society नामक इस सर्वे में 23 देशों में इस्लामिक शरिया कानूनों को लेकर प्रश्न पूछे गए थे। इस सर्वे में 84त्न पाकिस्तानियों ने भी शरिया के पक्ष में अपनी स्वीकार्यता दिखाई थी। इसमें बताया गया था कि अधिकांश दक्षिण एशियाई देशों में ऐसे लोगों की संख्या अच्छी-खासी है जो शरिया का समर्थन करते हैं। सर्वे में एक रोचक तथ्य यह भी सामने आया था कि जो मुस्लिम दिन में कई बार नमाज पढ़ते हैं या इबादत करते हैं वे उनके मुकाबले जो अपेक्षाकृत कम इबादत करते हैं, शरिया को लेकर कहीं अधिक मुखर हैं।